



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 10 मार्च, 2026

जारी करने का समय: 1400 घंटे

- विषय: i) जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में दिन का तापमान अगले 3 दिनों तक, यानी 12 मार्च तक, सामान्य से 5-7°C अधिक रहने की संभावना है; उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों, गुजरात और मध्य प्रदेश में यह तापमान 4-6°C अधिक रहेगा।
- ii) पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में 16 मार्च तक छिटपुट से लेकर व्यापक वर्षा/हिमपात की संभावना है। साथ ही, 10 से 12 मार्च के दौरान जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में छिटपुट गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ ओलावृष्टि और 10 और 11 मार्च को जम्मू-कश्मीर में छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।
- iii) 14 मार्च, 2026 से उत्तर-पश्चिम भारत में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है।

आज, 10 मार्च, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में भीषण उष्ण लहर की स्थिति बनी रही।
- पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में घना से बहुत घना कोहरा (दृश्यता <50 मीटर) छाया रहा, जबकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पंजाब के कुछ इलाकों में घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर) छाया रहा।
- रिपोर्ट की गई दृश्यता (मीटर में, <200 मीटर): पूर्वी उत्तर प्रदेश: प्रयागराज 30 मीटर, फुरसतगंज 50 मीटर; पश्चिमी उत्तर प्रदेश: मेरठ 100 मीटर; पंजाब: पटियाला 150 मीटर।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- पश्चिमी राजस्थान, विदर्भ, सौराष्ट्र और कच्छ के कई स्थानों पर अधिकतम दैनिक तापमान 38-41°C के बीच रहा; मध्य प्रदेश, तेलंगाना, पूर्वी राजस्थान और गुजरात के कुछ स्थानों पर; तटीय कर्नाटक, ओडिशा, कोंकण, गोवा और मराठवाड़ा के कुछ स्थानों पर; दिल्ली, मध्य महाराष्ट्र, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कई स्थानों पर 35-38°C; पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा-चंडीगढ़, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और केरल के कुछ स्थानों पर; गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल और झारखंड के कुछ स्थानों पर भी यही स्थिति रही। कल, राजकोट और सुरेंद्रनगर (सौराष्ट्र और कच्छ) में अधिकतम तापमान 41.6°C दर्ज किया गया।
- जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, पश्चिमी राजस्थान, पंजाब और गुजरात में कई स्थानों पर अधिकतम तापमान/दिन का तापमान सामान्य से काफी अधिक (5.1°C या उससे अधिक) रहा; मध्य प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर; उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, कोंकण और गोवा में छिटपुट स्थानों पर; विदर्भ में कई स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C); तटीय कर्नाटक, पूर्वी उत्तर प्रदेश और हरियाणा में कुछ स्थानों पर; ओडिशा, झारखंड और मराठवाड़ा में कुछ स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C); उत्तराखंड, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में छिटपुट स्थानों पर और देश के शेष भागों में सामान्य के करीब रहा।

- हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, सिक्किम, असम और मध्य महाराष्ट्र में न्यूनतम/रात्रि का तापमान 14-18°C के बीच रहा। गंगा के मैदानी क्षेत्र, पश्चिम बंगाल, उत्तरी ओडिशा, कोंकण और गोवा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, केरल और माहे, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप को छोड़कर, देश के शेष मैदानी क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान 18-22°C के बीच रहा, जहां यह 22-27°C के बीच था। भारत के मैदानी क्षेत्रों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 11.4°C फतेहपुर (राजस्थान)में दर्ज किया गया।
- जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, पश्चिमी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार और गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल में न्यूनतम/रात्रि का तापमान सामान्य से काफी अधिक (5.1°C या उससे अधिक) रहा; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, राजस्थान के शेष भाग, मध्य प्रदेश, गुजरात राज्य, झारखंड, छत्तीसगढ़, उप-हिमालयी पश्चिमी बंगाल और सिक्किम, ओडिशा और असम में सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा; मिजोरम, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, केरल और माहे में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा और रायलसीमा और तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर सामान्य से कम (-3.0°C से -1.6°C) रहा तथा देश के शेष भागों में सामान्य के आसपास रहा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- पूर्वी बांग्लादेश के ऊपर निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है, जिसके ऊपर मध्य क्षोभमंडलीय पछुआ हवाओं में एक गर्त है जो लगभग 90° पूर्व देशांतर के अनुदिश, अक्षांश 23° उत्तर के उत्तर में स्थित है।
- दक्षिणी झारखंड और उससे सटे उत्तरी छत्तीसगढ़ के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है और इस चक्रवाती परिसंचरण से मराठवाड़ा तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक गर्त फैली हुई है।
- पश्चिमी विक्षोभ मध्य क्षोभमंडलीय पछुआ हवाओं में एक गर्त के रूप में स्थित है जो लगभग 48° पूर्व देशांतर के अनुदिश, अक्षांश 28° उत्तर के उत्तर में स्थित है।
- मध्य पाकिस्तान के ऊपर निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- लक्षद्वीप के ऊपर पूर्वी हवाओं में एक गर्त निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में लगभग 75° पूर्व अक्षांश के अनुदिश, अक्षांश 6° उत्तर के उत्तर में स्थित है।
- दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी श्रीलंका के निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- उत्तर-पश्चिम भारत पर लगभग 75 समुद्री मील की रफ्तार वाली उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम चल रही है, जो समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर स्थित है।
- 14 मार्च 2026 से उत्तर-पश्चिम भारत में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

- जम्मू-कश्मीर में 10 से 12 मार्च के दौरान छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर तक हल्की से मध्यम वर्षा/बर्फबारी की संभावना है, जो 13 से 16 मार्च के दौरान घटकर छिटपुट हल्की वर्षा/बर्फबारी में बदल जाएगी। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी 10 से 16 मार्च के दौरान छिटपुट से लेकर छिटपुट हल्की वर्षा/बर्फबारी की संभावना है। जम्मू-कश्मीर में 10 और 11 मार्च को और हिमाचल प्रदेश में 11, 12 और 14 से 16 मार्च के दौरान गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-50 किमी प्रति घंटा) चलने की संभावना है।
- पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 14 से 16 मार्च के दौरान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 15 और 16 मार्च को, पश्चिमी राजस्थान में 14 मार्च को और पूर्वी राजस्थान में 14 और 15 मार्च को छिटपुट हल्की वर्षा की संभावना है।
- 14 से 16 मार्च के दौरान पंजाब में, 10 और 11 मार्च को ओडिशा में, 13 और 14 मार्च को विदर्भ और छत्तीसगढ़ में, 10 से 13 मार्च के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, 10 से 12 मार्च के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और झारखंड में, 11, 15 और 16 मार्च को बिहार में छिटपुट से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज हवाएं चलने की संभावना और 14 मार्च को राजस्थान में, 10 मार्च को केरल, माहे और लक्षद्वीप में, और 10 से 16 मार्च के दौरान पूर्वी भारत में बारिश, गरज की संभावना है।

- 10 मार्च को जम्मू-कश्मीर और 11 और 12 मार्च को हिमाचल प्रदेश में छिटपुट स्थानों पर ओलावृष्टि की प्रबल संभावना है।
- जम्मू-कश्मीर में 10 और 11 तारीख को, अरुणाचल प्रदेश में 12 और 13 तारीख को, और असम और मेघालय में 14 मार्च को कुछ स्थानों पर भारी वर्षा/बर्फबारी की संभावना है।

उष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम की चेतावनी:

- हिमाचल प्रदेश और उत्तरी कोंकण में 10 तारीख को और गुजरात राज्य में 10 और 11 तारीख को कुछ इलाकों में उष्ण लहर से लेकर भीषण उष्ण लहर तक की स्थिति रहने की बहुत संभावना है, साथ ही पश्चिमी राजस्थान, विदर्भ में 10 और 11 तारीख को; उत्तरी कोंकण में 11 तारीख को और गुजरात राज्य में 12 मार्च को कुछ इलाकों में उष्ण लहर की संभावना है।
- गुजरात राज्य के तटीय क्षेत्रों में 10 से 13 मार्च के दौरान गर्म और आर्द्र मौसम की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- अगले 7 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में अधिकतम तापमान में 5-6°C की क्रमिक गिरावट आएगी। उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में अगले 2 दिनों तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा और उसके बाद के 5 दिनों में 2-4°C की क्रमिक गिरावट आएगी। उत्तर प्रदेश को छोड़कर, जहां अगले 5 दिनों तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा और उसके बाद के 2 दिनों में 2-3°C की क्रमिक गिरावट आएगी। अतः, अगले 2 दिनों तक (10 मार्च तक) जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में दिन का तापमान सामान्य से 5-7°C अधिक रहने की संभावना है; उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों, गुजरात और मध्य प्रदेश में अगले 3 दिनों तक (11 मार्च तक) 4-6°C अधिक रहने की संभावना है।
- अगले 3 दिनों के दौरान मध्य और उत्तर-पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा और उसके बाद के 4 दिनों में 3-4°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- अगले 2-3 दिनों में गुजरात, कोंकण और गोवा में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद के 5 दिनों में इसमें 2-3°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- अगले 7 दिनों में महाराष्ट्र के आंतरिक क्षेत्रों में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।
- अगले 2 दिनों में दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद के 5 दिनों में इसमें 2-3°C की क्रमिक वृद्धि होगी। अगले 5 दिनों में दक्षिणपूर्वी प्रायद्वीपीय भारत में दिन का तापमान सामान्य से 2-3°C अधिक रहने की संभावना है।
- देश के बाकी हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 10 मार्च से 15 मार्च, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

बंगाल की खाड़ी: कोई चेतावनी नहीं।

अरब सागर: दक्षिण गुजरात और उससे सटे उत्तरी गुजरात के तटीय क्षेत्रों के साथ-साथ और उससे दूर क्षेत्रों में न जाएं।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 10 से 13 मार्च 2026 (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

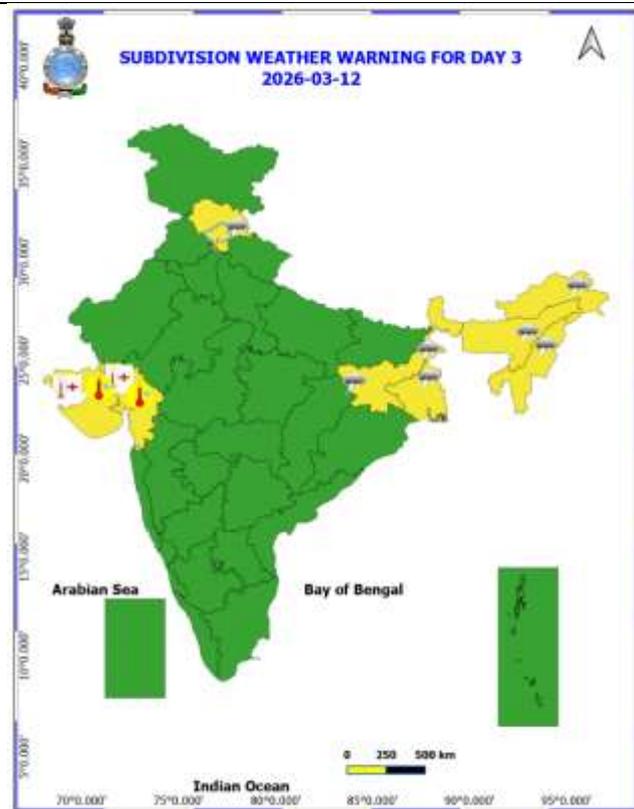
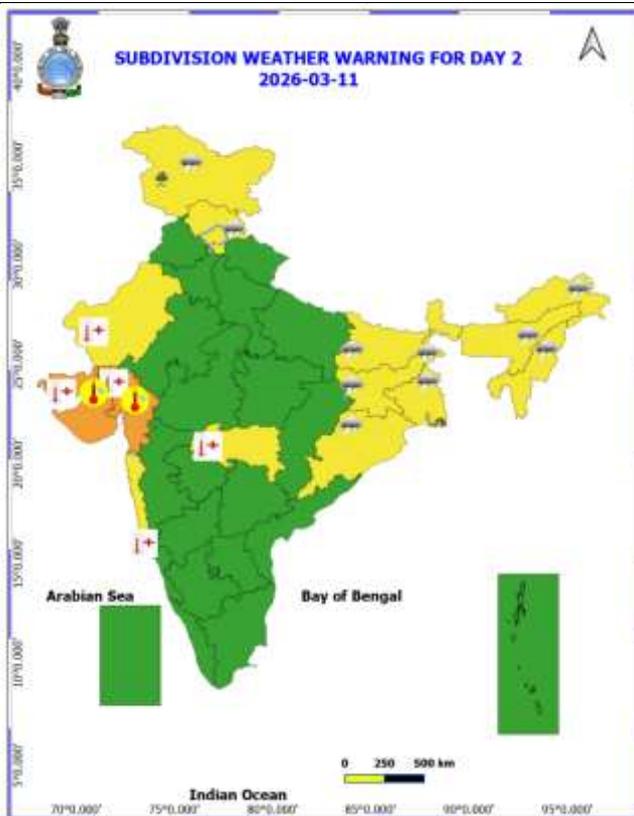
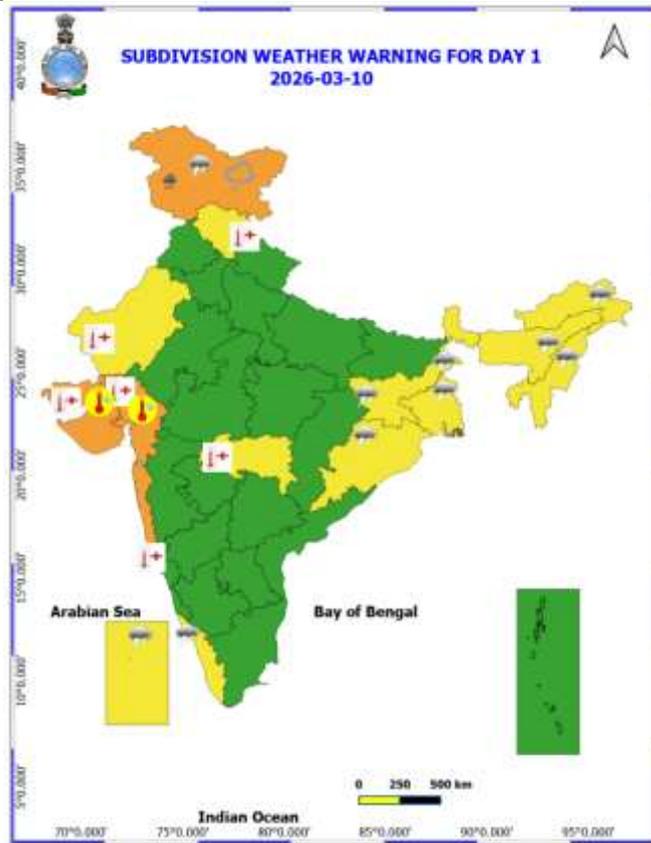
जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

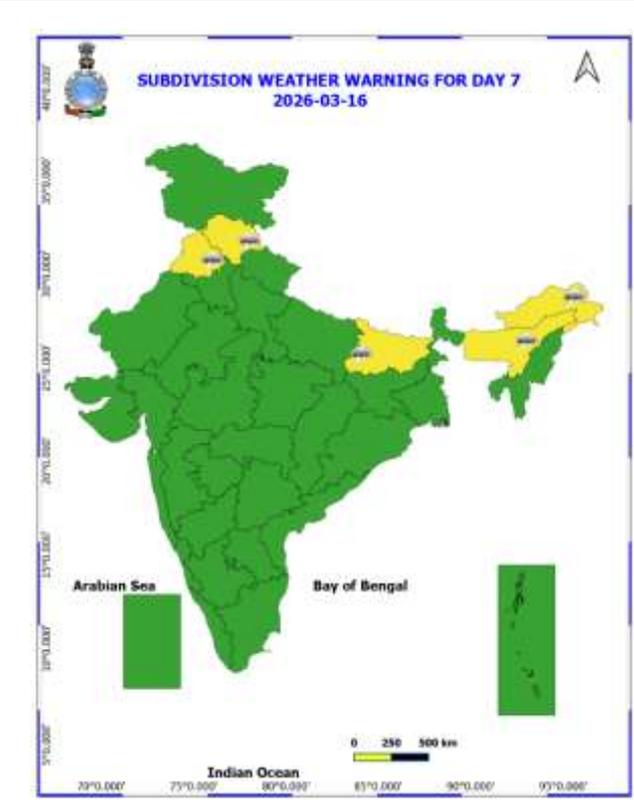
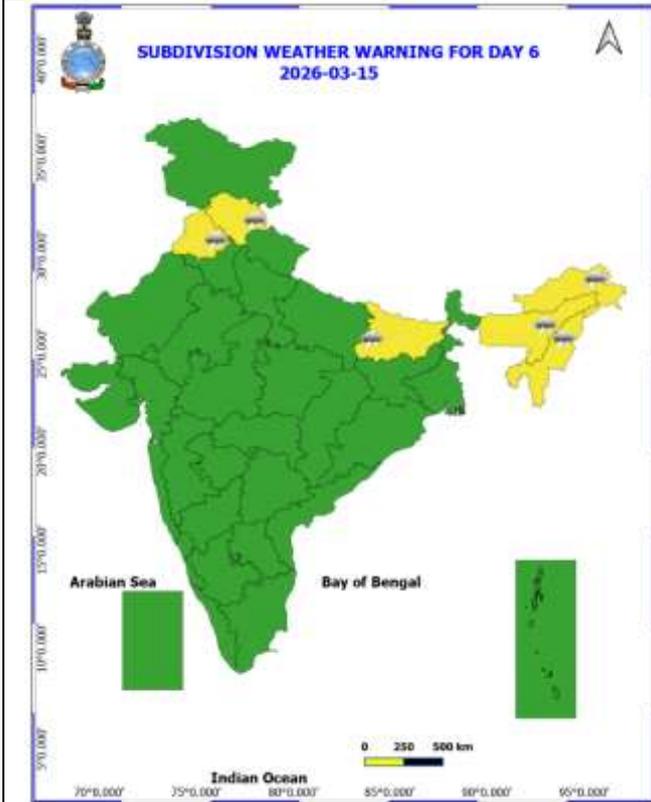
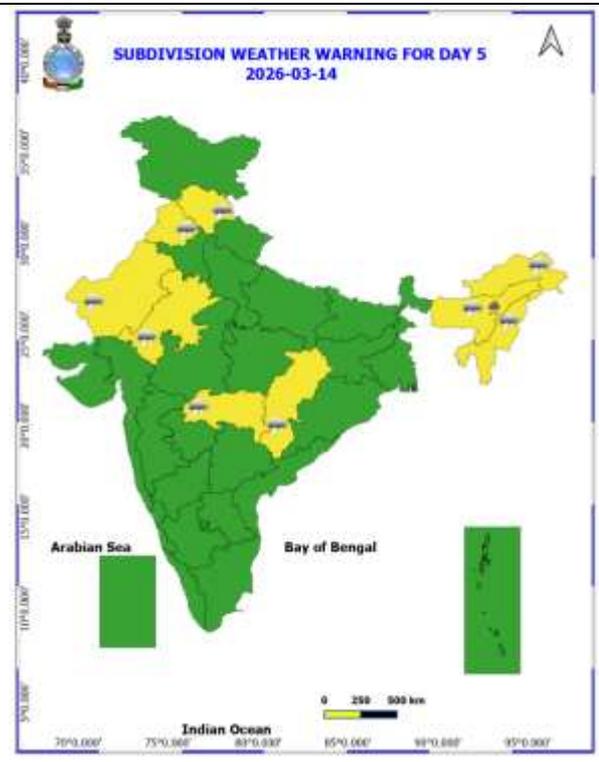
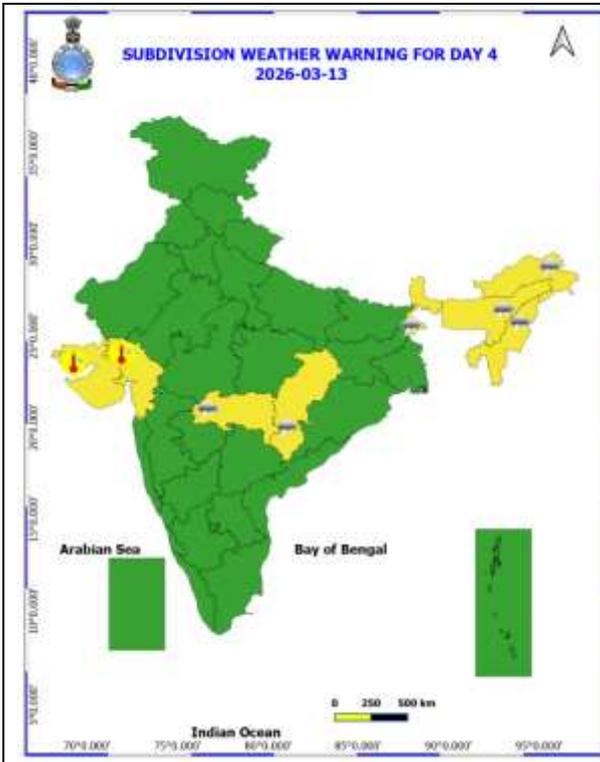
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

अनुलग्नक I

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	10- Mar	11- Mar	12- Mar	13- Mar	14- Mar	15- Mar	16- Mar
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL						
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	SCT	FWS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
7	ODISHA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	DRY
9	BIHAR	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	SCT	SCT	ISOL	SCT	FWS	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	ISOL	DRY	DRY	SCT	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	DRY						
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY						
23	KONKAN & GOA	DRY						
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	DRY						
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL						
32	COSTAL KARNATAKA	DRY						
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY						
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY						
35	KERALA AND MAHE	ISOL						
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	DRY	DRY	SCT	DRY	DRY

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

10 से 13 मार्च 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का अनुमान

पिछला मौसम:

दिल्ली में पिछले 24 घंटों में मिनिमम टेम्परेचर में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है और मैक्सिमम टेम्परेचर में 1-3°C की गिरावट आई है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में मैक्सिमम टेम्परेचर 33-36°C और मिनिमम टेम्परेचर 18-20°C के बीच रहा। कुछ जगहों पर मिनिमम टेम्परेचर नॉर्मल से काफी ज़्यादा (5.1°C या उससे ज़्यादा) और दिल्ली में कई जगहों पर नॉर्मल से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) है। दिल्ली में कई जगहों पर मैक्सिमम टेम्परेचर नॉर्मल से काफी ज़्यादा (5.1°C या उससे ज़्यादा) और कुछ जगहों पर नॉर्मल से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों में आसमान में हल्के बादल छाए रहे और पश्चिम दिशा से लगातार 15 kmph की रफ़्तार से हवा चली। आज दोपहर में इस इलाके में हल्के बादल छाए रहेंगे और हवा की स्पीड पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 kmph तक पहुंच जाएगी।

मौसम का अनुमान:

10.03.2026: हल्के बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में ज़्यादा से ज़्यादा तापमान 35°C से 37°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर ज़्यादा से ज़्यादा तापमान नॉर्मल से काफी ज़्यादा (5.0°C या उससे ज़्यादा) रहेगा। दोपहर के समय ज़्यादातर हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और हवा की स्पीड 15 kmph तक पहुंच जाएगी। शाम और रात में हवा की स्पीड धीरे-धीरे कम होकर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से 08 kmph से कम हो जाएगी।

11.03.2026: हल्के बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में ज़्यादा से ज़्यादा और कम से कम तापमान एक के बाद एक 35°C से 37°C और 17°C से 19°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर कम से कम टेम्परेचर नॉर्मल से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा और कुछ जगहों पर नॉर्मल से काफी ज़्यादा (5.0°C या उससे ज़्यादा) रहेगा। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर ज़्यादा से ज़्यादा टेम्परेचर नॉर्मल से काफी ज़्यादा (5.0°C या उससे ज़्यादा) रहेगा। सुबह के समय हवा की रफ़्तार 06 kmph से कम रहने की संभावना है, और ज़्यादातर हवा पश्चिम दिशा से चलेगी। दोपहर में हवा की रफ़्तार पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 kmph तक बढ़ जाएगी। शाम और रात में हवा की रफ़्तार धीरे-धीरे कम होकर दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम दिशा से 06 kmph से कम हो जाएगी।

12.03.2026: आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में ज़्यादा से ज़्यादा और कम से कम टेम्परेचर एक के बाद एक 34°C से 36°C और 17°C से 19°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर कम से कम टेम्परेचर नॉर्मल से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा और कुछ जगहों पर नॉर्मल से काफी ज़्यादा (5.0°C या उससे ज़्यादा) रहेगा। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर ज़्यादा से ज़्यादा टेम्परेचर नॉर्मल से काफी ज़्यादा (5.0°C या उससे ज़्यादा) रहेगा। सुबह के समय हवा की रफ़्तार 05 kmph तक पहुँच सकती है, जो पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी। दोपहर में हवा की रफ़्तार उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 kmph तक ही रहेगी। शाम और रात में हवा की रफ़्तार धीरे-धीरे बढ़ेगी, जो दक्षिण दिशा से 16 kmph से कम हो जाएगी।

13.03.2026: आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में ज़्यादा से ज़्यादा और कम से कम टेम्परेचर एक के बाद एक 34°C से 36°C और 17°C से 19°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर कम से कम तापमान नॉर्मल से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) और कुछ जगहों पर नॉर्मल से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर ज़्यादा से ज़्यादा तापमान नॉर्मल से काफी ज़्यादा (5.0°C या उससे ज़्यादा) रहेगा। सुबह के समय हवा की रफ़्तार 12 kmph तक पहुँचने के साथ, ज़्यादातर सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की रफ़्तार उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 kmph तक बढ़ जाएगी। हवा की रफ़्तार धीरे-धीरे कम होती जाएगी, शाम और रात के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 12 kmph से कम हो जाएगी। जाएगी।

बिजली/तेज और तेज हवाओं और ओलावृष्टि के साथ अलग-अलग गरज के कारण प्रभाव की उम्मीद और कार्रवाई का सुझाव दिया गया

- ❖ जम्मू-कश्मीर में 10 मार्च और हिमाचल प्रदेश में 11 और 12 मार्च को छिटपुट स्थानों पर ओलावृष्टि की प्रबल संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर और ओडिशा में 10 और 11 मार्च को, हिमाचल प्रदेश में 11, 12 और 14 से 16 मार्च के दौरान, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 10 से 13 मार्च के दौरान, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और झारखंड में 10 से 12 मार्च के दौरान, बिहार में 11, 15 और 16 मार्च को, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में 13 और 14 मार्च को, और पंजाब में 14 से 16 मार्च के दौरान छिटपुट गरज, बिजली और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- पेड़ों की शाखाओं का टूटना, बड़े-बड़े पेड़ों का उखड़ना। पेड़ों से बड़ी-बड़ी सूखी टहनियाँ उड़ना। खड़ी फसलों को नुकसान।
- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर बहुत बड़ा नुकसान।
- शाखाओं के टूटने के कारण बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर बहुत बड़ा नुकसान।
- तेज़ हवा/ओलावृष्टि से बागान, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ओलावृष्टि से खुले स्थानों पर लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज़ हवाओं के कारण कमज़ोर संरचनाओं को आंशिक नुकसान।
- कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।
- ढीली वस्तुएँ उड़ सकती हैं।

सुझाई गई कार्रवाई:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे खराब होती परिस्थितियों के लिए मौसम पर नज़र रखें और तदनुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और यदि संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों के सहारे न झुकें।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें।
- तुरंत जल निकायों से बाहर निकलें।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

उष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- हिमाचल प्रदेश और उत्तरी कोंकण में 10 तारीख को और गुजरात राज्य में 10 और 11 तारीख को कुछ इलाकों में उष्ण लहर से लेकर भीषण उष्ण लहर की स्थिति रहने की बहुत संभावना है, साथ ही पश्चिमी राजस्थान, विदर्भ में 10 और 11 तारीख को; उत्तरी कोंकण में 11 तारीख को और गुजरात राज्य में 12 मार्च को कुछ इलाकों में उष्ण लहर की संभावना है।

ऑरेंज अलर्ट वाले क्षेत्र

- लंबे समय तक धूप में रहने या भारी काम करने वाले लोगों में उच्च तापमान और गर्मी से होने वाली बीमारियों के लक्षणों की संभावना बढ़ जाती है।
- शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों जैसे संवेदनशील व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंता का विषय है।
- गर्मी से बचें - शरीर को ठंडा रखें। निर्जलीकरण से बचें।
- पर्याप्त पानी पिएं - प्यास न लगने पर भी।

- शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओआरएस, घर पर बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

पीला चेतावनी वाले क्षेत्र:

- सामान्य जनता के लिए मध्यम तापमान और गर्मी सहनीय है, लेकिन शिशुओं, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से ग्रसित लोगों जैसे संवेदनशील व्यक्तियों के लिए मध्यम स्तर की स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं हो सकती हैं।
- धूप में निकलने से बचें।
- हल्के, हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढकें, कपड़े, टोपी या छाते का उपयोग करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **हिमाचल प्रदेश** में फलों के बगीचों और सब्जियों के पौधों को क्षति से बचाने के लिए हेल नेट या हेल कैप का उपयोग करें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **अरुणाचल प्रदेश** में, गोभी, मटर, सरसों और देर से पकने वाली धान की किस्मों की कटाई करें, परिपक्व आलू की खुदाई करें और काटी गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल** में, साफ मौसम के दौरान परिपक्व आलू की खुदाई शीघ्र कर लें।

उच्च तापमान के संभावित प्रभाव

- वाष्पोत्सर्जन में वृद्धि के कारण मृदा में नमी की कमी तथा फसलों की वृद्धि, बीज विकास और उपज पर प्रतिकूल प्रभाव।
- फसलों की त्वरित परिपक्वता, दानों के भराव की अवधि में कमी और सिकुड़े हुए दाने का बनना, परिणामस्वरूप गेहूं की संभावित उपज में कमी।
- अनाज वाली और अन्य रबी फसलों (जैसे मक्का, ज्वार आदि) में वानस्पतिक से प्रजनन अवस्था के समय नमी तनाव में वृद्धि एवं दानों के भराव में संभावित कमी।
- तिलहनी तथा दलहनी फसलों में फूल झड़ना, फलियों के बनने में विकृति, समय-पूर्व फलियों का सूखना तथा बीज के आकार और वजन में कमी।
- कंद वाली फसलों जैसे आलू इत्यादि में कंद का फुलाव कम होना और पौधे की वृद्धावस्था का शीघ्र आगमन।
- सब्जी वाली फसलों जैसे टमाटर, शिमला मिर्च, पता गोभी और फूलगोभी में फूल झड़ना, फलों का धूप से जलना तथा बिक्री योग्य उपज में कमी।
- बागवानी फसलों (जैसे आम, सेब, संतरा आदि) में फूलों का झड़ना, फल सेटिंग में कमी, समय से पहले फलों का गिर जाना, फलों का धूप से जलना, फलों के आकार में गिरावट, असमान रूप से पकना, स्पंजी टिशू जैसी विकृतियाँ (विशेषकर आम में) तथा कुल उपज और गुणवत्ता में कमी।
- फसलों की जल आवश्यकता में वृद्धि तथा सीमित सिंचाई की स्थिति में जल तनाव का अधिक जोखिम।
- पशुधन तथा मुर्गीपालन में चारे का सेवन में कमी, दूध और अंडा उत्पादन में कमी के साथ-साथ जल आवश्यकता में वृद्धि।

उच्च तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **जम्मू और कश्मीर** में, गेहूं, सरसों और सब्जियों में हल्की सिंचाई करें।
- **हिमाचल प्रदेश** में, गेहूं और जल्दी बोए गए सब्जियों में हल्की सिंचाई करें। शिमला मिर्च और टमाटर के लिए पॉलीहाउस में हवा आने-जाने की समुचित व्यवस्था बनाए रखें।
- **पंजाब** में, सरसों, गोभी और आलू में सिंचाई करके मिट्टी में आवश्यक नमी बनाए रखें। गेहूं में दाना भरने की अवस्था में आवश्यकतानुसार सिंचाई प्रदान करें।

- **हरियाणा** में, सरसों और चने में फूल आने और फली बनने के समय हल्की सिंचाई करें। गेहूं में दाना भरने की अवस्था के दौरान मृदा में पर्याप्त नमी बनाए रखें।
- **उत्तराखंड** में, गेहूं, मसूर, चना और सरसों में संवेदनशील फसल विकास चरणों के दौरान (गेहूं में फूल आना और दाने भरना, सरसों और चने में फली बनना वगैरह) हल्की और बार-बार सिंचाई करें।
- **राजस्थान** में, जीरा, इसबगोल, सरसों तथा चने में सुबह या शाम के समय सुरक्षात्मक सिंचाई प्रदान करें ताकि ताप तनाव कम हो।
- **उत्तर प्रदेश** में, गेहूं (दाना भरने की अवस्था), सरसों और चने की फसलों में गर्मी के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए सुबह या शाम के समय हल्की सिंचाई करें।
- **गुजरात** में, गेहूं (दाना भरने की अवस्था), चना और जीरा में हल्की सिंचाई करें।
- **महाराष्ट्र** के, कोंकण क्षेत्र में, आम में समय से पहले फल गिरने और धूप से झुलसने से बचाने के लिए नियमित अंतराल पर सिंचाई करें तथा फलों को धूप से झुलसने (सन स्कॉल्ड) से बचाने के लिए कटाई से पहले अखबार के थैलों में पैक (पूर्व-कटाई बैगिंग) करें। **विदर्भ** क्षेत्र में, ढेर से बोई गई रबी फसलों जैसे गेहूं, मूंगफली, तिल, कुसुम, ज्वार, बागानों और सब्जियों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें तथा वाष्पीकरण से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए पुआल मलच का उपयोग करें।
- **मध्य प्रदेश** में, गेहूं और चने की फसल के महत्वपूर्ण चरणों में हल्की और नियमित सिंचाई करें। पकी हुई सरसों की कटाई सुबह/शाम के समय पूरी करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- **छत्तीसगढ़** में, गेहूं, चना, मसूर और सरसों जैसी खड़ी फसलों में हल्की सिंचाई नियमित अंतराल पर करते रहें।
- **अरुणाचल प्रदेश** में, शीतकालीन सब्जियों (पत्तागोभी, फूलगोभी, टमाटर) में सुबह या शाम के समय नियमित सिंचाई करें। पकी हुई सरसों की फसल की कटाई करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- **असम** में, बोरो धान के खेतों में इष्टतम जल स्तर (2-5 सेमी) बनाए रखें।
- **आंध्र प्रदेश** में, रबी मक्का, मूंगफली और दलहनी फसलों में नमी की कमी से बचाने के लिए हल्की सिंचाई करें। शुष्क और धूप वाले मौसम में खड़ी रबी फसलों में मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए मल्लिचिंग करें या हल्की सिंचाई करें। धान में टिलरिंग (फूटाव) अवस्था के दौरान मुख्य खेत में लगभग 5 सेमी पानी की परत बनाए रखें।
- खेतों में आवश्यक नमी बनाए रखने हेतु मल्लिचिंग, मेंडबंदी करें तथा अनावश्यक इंटरकल्टीवेशन से बचें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन

- पशुओं को स्वच्छ, साफ-सुथरा एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं और छाया का इंतज़ाम करें।
- उच्च तापमान के प्रभाव को कम करने के लिए पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढक दें।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

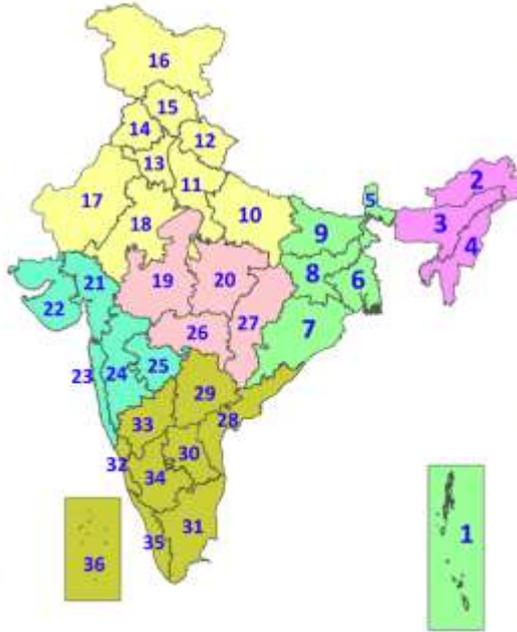
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal
Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .
Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$
(b). Based on Actual maximum temperature
Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.
Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$
(c). Criteria for heat wave for coastal stations
When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C
Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .
Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.
(a). Based on departure
Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)
Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$
Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$
(c) For Coastal Stations
When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure
Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$
Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres
Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres
Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground
Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.
Moderate: Wind speed 52-61 kmph
Severe: Wind speed 62-87 kmph
Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area
Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre
High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre
Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)
Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)
Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)
Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)
Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)